भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

खम्मा घणी

जनवरी - मार्च 2025

खंड -2 वर्ष - 2024-25 अंक -8

निदेशक महोदय की कलम से

संस्थान की हिंदी समाचार पत्रिका “खम्मा घणी” के आठवें अंक का विमोचन करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। पूर्ववर्ती अंकों की भाँति यह अंक भी संस्थान की विविध गतिविधियों, उपलब्धियों एवं सांस्कृतिक-सामाजिक योगदान का सुंदर और प्रेरक चित्र प्रस्तुत करता है। संस्थान राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग एवं विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा हमारे संस्थान की हिंदी माध्यम से शिक्षण की पहल को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्वीकार किया जाना हमारे लिए गर्व का विषय है। इस तिमाही के प्रमुख आयोजनों में 76वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन उल्लेखनीय रहा, जिसे हमने “स्वर्णिम भारत: विरासत एवं विकास” की संकल्पना के साथ मुख्य अतिथि डॉ. आशुतोष शर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति में मनाया।

इसके अतिरिक्त, महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के साथ “विजिटर सम्मेलन”में सहभागिता, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तिकरण विषयों पर विचारोत्तेजक चर्चा तथा मातृभाषा दिवस पर पद्मश्री सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति जैसे विविध कार्यक्रमों ने हमारी संस्थागत गरिमा को और समृद्ध किया। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि मंडल के साथ हुआ समझौता ज्ञापन और राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु मानेकशॉ केंद्र का उद्घाटन भी इस तिमाही के उल्लेखनीय आयाम रहे। राष्ट्र विज्ञान दिवस के अंतर्गत विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को केंद्र में रखते हुए पर्यावरणीय समाधान एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचारों हेतु युवाओं को प्रेरित किया गया। संस्थान हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु अन्य प्रोत्साहन योजनाओं का भी प्रभावी क्रियान्वयन कर रहा है, जिससे इसकी व्यापकता निरंतर बढ़ रही है।

मैं इस हिंदी पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु प्रकाशक मंडल एवं हिंदी प्रकोष्ठ के समर्पित प्रयासों की भूरि-भूरि सराहना करता हूँ। संस्थान राजभाषा के विकास के पथ पर निरंतर नई ऊँचाइयों को स्पर्श करता रहे, मैं इसी विश्वास के साथ हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

जय हिंद, जय भारत

प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल
निदेशक

मुख्य संरक्षक

प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल
निदेशक / अध्यक्ष,
राजभाषा कार्यान्वयन समिति

सह - संरक्षक

प्रो. भबानी कुमार सतपथी
उप निदेशक

प्रकाशन मंडल

डॉ. विवेक विजय
सह-आचार्य, गणित विभाग

डॉ. जय नारायण त्रिपाठी
सह-आचार्य,
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. मयंक सुमन
सहायक आचार्य,
नागरिक एवं आधारभूत अभियांत्रिकी

सुश्री नूतन सिंह
हिंदी भाषा प्रशिक्षक
शिक्षा प्रौद्योगिकी केंद्र

डॉ. नितिन भाटिया
सह-आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी
विभाग एवं हिंदी अधिकारी

सम्पादकीय

संस्थान की दैनिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को इस हिंदी पत्रिका के माध्यम से एक साथ प्रस्तुत करना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। संस्थान, राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयासरत है। इनमें प्रशासनिक पत्राचार एवं अन्य कार्यों को द्विभाषी माध्यम में संपन्न करना, कर्मचारियों को हिंदी में अधिकतम कार्य के लिए वार्षिक प्रोत्साहन पुरस्कार योजना लागू करना, हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तथा प्रौद्योगिकी स्नातक प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को भारतीय भाषाओं में प्रारंभ करना उल्लेखनीय पहल हैं । इस विशेषांक में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के साथ-साथ राष्ट्र की एकता को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों - जैसे विजिटर सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, विरासत 2025 को स्थान दिया गया है । इसके अतिरिक्त संस्थान की उपलब्धियाँ, समझौता ज्ञापन, हिंदी के प्रति रुचि रखने वाले कर्मचारियों की रचनाएँ तथा संस्थान से जुड़े नए संकाय सदस्यों व कर्मचारियों की जानकारी भी इस अंक की विशेषताएँ हैं।

'खम्मा घणी' पत्रिका के लिए प्राप्त प्रविष्टियों के लिए योगदानकर्ताओं का धन्यवाद तथा आगे भी इसी प्रकार सहयोग बना रहे ऐसी अपेक्षा है । इस पत्रिका में प्रयुक्त छायाचित्रों के लिए जनसंपर्क कार्यालय का धन्यवाद।

डॉ. नितिन भाटिया
हिंदी अधिकारी

नोट: इस पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने हैं, संपादक मंडल का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संपर्क सूत्र – office_hindi@iitj.ac.in दूरभाष - +91 291 2801199
अनुवाद - शुभम पांडे , कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
कवर डिज़ाइन- शिखा पाराशर, डिज़ीटल कॉन्टेट डिज़ाइनर, शुभम अरोड़ा, डिज़ीटल कॉन्टेट डिज़ाइनर
डिजाइन और संकलन - करण सिंह राजपुरोहित, आउटसोर्स स्टाफ, हिन्दी प्रकोष्ठ

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	76वां गणतंत्र दिवस समारोह	6
2.	सटीक स्वास्थ्य एवं एकीकृत चिकित्सा हेतु आयुर्टेक पर कार्यशाला	9
3.	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025	11
4.	विजिटर सम्मेलन	13
5.	क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम	14
6.	जेसीकेआईसी - परियोजना समीक्षा निगरानी समिति की बैठक	16
7.	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन थ्राइव 2025 का आयोजन	18
8.	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम	20
9.	विरासत 2025 का आयोजन	23
10.	अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2025 कार्यक्रम	25
11.	रमेश अग्रवाल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2025	27
12.	कार्यशाला एवं सम्मेलन	28
13.	कार्यालय, सतत शिक्षा केंद्र (सीसीई) का उद्घाटन	31
14.	वॉलीबॉल टूर्नामेंट	32
15.	पैन-आईआईटी वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी 2025	33
16.	भा.प्रौ.सं. जोधपुर पूर्व छात्र संघ का मुंबई चैप्टर	34
17.	समझौता ज्ञापन	35
18.	उपलब्धियाँ	40
19.	कार्यशाला - साहित्यिक अनुवाद के नए आयामों की खोज	42
20.	व्यक्तिगत रचनाएं	44
21.	संस्थान में सम्मिलित होने वाले संकाय / कर्मचारी सदस्य	47

76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

इस वर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 76वाँ गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल ने तिरंगा फहराया। उसके बाद वेशभूषा में सुरक्षा गार्डों ने भव्य परेड में ध्वज को सलामी दी। इसके बाद राष्ट्रगान गाया गया, जिसने सभी को देशभक्ति की भावना से भर दिया। सुरक्षा गार्डों की वर्दी के ऊपर केसरिया पगड़ी पहने ये सुरक्षा गार्ड आजादी की लड़ाई लड़ने वाले देशभक्तों की छवि पेश कर रहे थे। निदेशक महोदय ने परेड और समारोह में उपस्थित संस्थान के सदस्यों को संबोधित किया और समूह फोटो के बाद ध्वजारोहण समारोह का समापन किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए जिसमें प्रोफेसर आशुतोष शर्मा सहित सम्मानित अतिथियों ने प्रेरक भाषण दिये। संस्थान के छात्रों, केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों एवं अन्य कर्मचारियों ने देशभक्ति और सांस्कृतिक विविधता की भावना से एकजुट होकर 76वें गणतंत्र दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी विविध विरासत और प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है, जो भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय के भीतर एकता और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम की सफलता संस्थान के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के कारण थी। समारोह के दौरान विभिन्न गतिविधियों और प्रदर्शनों में भाग लेकर सभी को अपनी अनूठी क्षमताओं और रुचियों को दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के कार्मिकों के बच्चों के विभिन्न आयु समूहों के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे गायन प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, संगीत वाद्ययंत्र बजाना प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, आदि आयोजित किये गये। यह सभी के लिए बहुत खुशी का क्षण था, विशेषकर बच्चे अधिक उत्साहित थे। 76वें गणतंत्र दिवस 2025 को भव्यता और उत्साह के साथ मनाया गया।

76 TH
गणतंत्र
दिवस

मुख्य अतिथि प्रो. आशुतोष शर्मा का निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल द्वारा स्वागत एवं प्रो. आशुतोष शर्मा द्वारा मुख्य भाषण।

कार्यक्रम का समापन 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन और निदेशक महोदय के समापन भाषण के साथ किया गया। गणतंत्र दिवस हर भारतीय के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक है। यह दिन हमारे संविधान के लागू होने और हमारे राष्ट्र के लोकतांत्रिक मूल्यों को मनाने के लिए मनाया जाता है। संस्थान में इस दिवस को बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया।

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण करते हुए निदेशक महोदय – एक गौरवपूर्ण क्षण

76वें गणतंत्र दिवस पर रक्तदान अभियान: एक हार्दिक सफलता

76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में स्वास्थय केंद्र ने एम्स जोधपुर के सहयोग से रक्तदान अभियान का आयोजन किया। यह एक सराहनीय पहल थी जिसमें छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह समाज के लिए एक सकारात्मक योगदान भी है। साथ मिलकर 88 यूनिट रक्त एकत्र किया, जिनमें से प्रत्येक आशा की किरण और अनगिनत लोगों की जान बचाने की दिशा में एक कदम है। इस अभियान का उद्देश्य रक्त की कमी को दूर करना और लोगों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना था। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित यह अभियान राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का प्रतीक बनकर सामने आया।

we can save a life
BLOOD DONATION CAMP

गणतंत्र दिवस पर रक्तदान – 26 जनवरी के अवसर पर छात्रों एवं संस्थान के कार्मिकों द्वारा रक्तदान शिविर में रक्तदान के सामूहिक छायाचित्र।

सटीक स्वास्थ्य एवं एकीकृत चिकित्सा हेतु आयुर्टेक पर कार्यशाला

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 27 जनवरी 2025 को आयुर्टेक पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला ने पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और आधुनिक तकनीकी नवाचारों के संगम की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की। इस कार्यशाला का उद्घाटन सत्र सटीक स्वास्थ्य और एकीकृत चिकित्सा के लिए उन्नत तकनीक के साथ आयुर्वेद के एकीकरण की परिकल्पना पर केंद्रित रहा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली मस्तिष्क एक साथ आए। इस ज्ञानवर्धक आयोजन में विचारोत्तेजक सत्रों, संवादात्मक चर्चाओं और विशेषज्ञ वक्ताओं के प्रेरणादायक भाषणों के माध्यम से प्रतिभागियों को चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के समागम की संभावनाओं से परिचित कराया गया। मुख्य वक्ताओं में प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, निदेशक, भा.प्रौ.सं. जोधपुर; डॉ. जयंत देवपुजारी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग ; प्रो. अजय अग्रवाल, प्रमुख अन्वेषक, सीओई आयुर्टेक तथा प्रो. मिताली मुखर्जी, प्रमुख अन्वेषक, सीओई आयुर्टेक जैसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपनी दृष्टि साझा की। सीओई आयुर्टेक और स्कूल ऑफ एआईडीई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यशाला ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भविष्य की प्रगति को लेकर नवाचार, अंतःविषयक सहयोग और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में कार्य किया। प्रतिभागियों ने यह गहराई से समझा कि कैसे पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली को आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों और उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत कर स्वास्थ्य परिणामों में गुणात्मक सुधार लाया जा सकता है। यह कार्यशाला न केवल चिकित्सा क्षेत्र में परिवर्तनकारी सोच को जन्म देने वाली सिद्ध हुई, बल्कि आयुर्वेद और तकनीकी विज्ञान के मध्य एक सार्थक संवाद की दिशा में एक मील का पत्थर भी साबित हुई।

मुख्य अतिथि डॉ. जयंत देवपुजारी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग का स्वागत करते हुए तथा कार्यक्रम में निदेशक महोदय द्वारा प्रेरणादायी भाषण देते हुए छायाचित्र

AYURTECH
Workshop on
AYURTECH
FOR

कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर निदेशक महोदय एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा समूह छायाचित्र

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने ज्ञानवर्धक चर्चाओं और तकनीकी उन्नति के लिए एक दृष्टिकोण के साथ 28 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 मनाया। इस अवसर पर संस्थान ने विज्ञान, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। यह दिन भारतीय भौतिक विज्ञानी सर चंद्रशेखर वेंकट रामन द्वारा 1928 में 'रमन प्रभाव' की खोज की वर्षगाँठ के रूप में मनाया जाता है, जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शरद कुमार सराफ, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष थे। उन्होंने शिक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक समृद्धि के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर जोर दिया और छात्रों और शोधकर्ताओं को वैज्ञानिक अन्वेषण की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। भा.प्रौ.सं. जोधपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 नवाचार, जिज्ञासा और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का एक उल्लेखनीय उत्सव था। विचारोत्तेजक व्याख्यानों से लेकर व्यावहारिक प्रयोगों, आकर्षक चर्चाओं और प्रेरक वार्तालापों तक, इस कार्यक्रम ने भविष्य को आकार देने में विज्ञान की शक्ति को प्रदर्शित किया। इस वर्ष का विषय 'विकसित भारत के लिए भारतीय युवाओं को विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए सशक्त बनाना' यह विषय भारत सरकार के 'विकसित भारत 2047' दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में युवा नेतृत्व को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।

प्रदर्शनी और प्रतियोगिताएँ

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने विभिन्न विज्ञान संबंधित प्रदर्शनी और मॉडल प्रस्तुत किए, जो उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार को दर्शाते हैं। इन गतिविधियों ने छात्रों में वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया। छात्रों ने विज्ञान आधारित परियोजनाओं, पोस्टर प्रदर्शनी और मॉडल प्रदर्शनों के ज़रिए अपनी रचनात्मकता और नवाचार प्रस्तुत किया। वार्ता के विषयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, पर्यावरणीय समाधान, स्मार्ट टेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी और रोबोटिक्स शमिल थे।

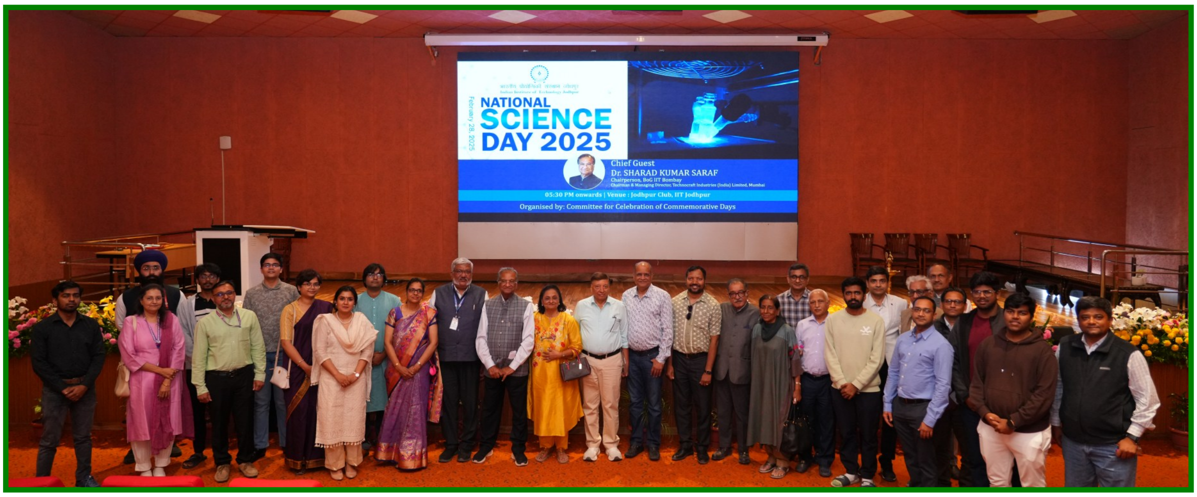
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
Indian Institute of Technology Jodhpur
February 28, 2025
NATIONAL
SCIENCE
DAY 2025
Chief Guest
Dr. SHARAD KUMAR SARAF
Chairperson, BoG IIT Bombay
Chairman & Managing Director, Technocraft Industries (India) Limited, Mumbai
05:30 PM onwards | Venue : Jodhpur Club, IIT Jodhpur
Organised by: Committee for Celebration of Commemorative Days

कार्यक्रम का समूह छायाचित्र

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
Indian Institute of Technology Jodhpur
NATIONAL SCIENCE DAY 2025
ruary 28, 2025
Chief Guest
Dr. SHARAD KUMA ARAF
Chairperson, B IIT Bombay
IIT JODHPUR

प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल एवं डॉ. रश्मि अग्रवाल ने माननीय अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया।

विजिटर सम्मेलन

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 3 मार्च 2025 को राष्ट्रपति भवन में "विजिटर सम्मेलन 2024-25" का उद्घाटन किया। इस दो-दिवसीय कार्यक्रम में 184 केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों ने भाग लिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक, प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल ने संस्थान की ओर से आगंतुक सम्मेलन 2024-25 में भाग लिया। सम्मेलन में शिक्षा के माध्यम से भारत के भविष्य को आकार देने में अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक समावेश की भूमिका पर चर्चा की गई। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने आठवें विजिटर पुरस्कार भी प्रदान किए, जो क्वांटम टेक्नोलॉजी, सतत जलीय कृषि और कैंसर अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए गए। राष्ट्रपति महोदया ने भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था में वैश्विक नेता बनाने में उच्च शिक्षा संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

विजिटर सम्मेलन के दूसरे दिन, भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल ने राष्ट्रपति भवन में आगंतुक सम्मेलन 2024-25 में भाग लिया और माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान निदेशकों के साथ गहन चर्चा की। शिक्षा जगत में दूरदर्शी नेताओं का यह संगम शिक्षा के भविष्य को आकार दे रहा है, नवाचार को बढ़ावा दे रहा है और एक उज्जवल कल के लिए परिवर्तनकारी नीतियों को आगे बढ़ा रहा है।

इस सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रमुख शैक्षणिक, शोध और सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को एक मंच पर लाया गया। इसका उद्देश्य भारतीय समाज में शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास के मुद्दों पर संवाद स्थापित करना और समग्र विकास की दिशा में ठोस कदम उठाना है। इस सम्मेलन में नवाचार, शोध, समाज सेवा और विकासात्मक नीतियों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

विजिटर सम्मेलन में केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ समूह छायाचित्र

क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भा. प्रौ. सं.) जोधपुर के प्रबंधन एवं उद्यमिता विद्यालय द्वारा 25 से 27 मार्च, 2025 तक डाक विभाग के अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से 200 ग्रुप ए और ग्रुप बी अधिकारियों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य संगठन व्यवहार और विकास, मानव संसाधन प्रबंधन, सांख्यिकी और आधार-सामग्री के विश्लेषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अधिकारियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाना था। कार्यक्रम में कई तरह के परस्पर संवादात्मक सत्र, मामलों के अध्ययन और समूह अभ्यास शामिल थे, जिससे अधिकारियों को समृद्ध शिक्षण अनुभव प्राप्त हुआ। अधिकारियों को नवीनतम उपकरण और रणनीति से परिचित कराया गया, जिसका उपयोग वे भारतीय डाक विभाग में अपनी भूमिकाओं में नवाचार, सुधार और उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

इस अवसर पर भा. प्रौ. सं. जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल ने कहा हमें इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए डाक विभाग के साथ साझेदारी करके प्रसन्नता हो रही है। हमारे संकाय सदस्यों और विशेषज्ञों ने अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया है ताकि उन्हें अपनी भूमिकाओं में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण प्रदान किया जा सके।

डाक विभाग के उप निदेशक प्रशिक्षण श्री संजीव चावला ने बताया यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हमारे अधिकारियों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। हमें विश्वास है कि अधिकारियों द्वारा प्राप्त कौशल और ज्ञान उन्हें डाक विभाग में विकास, नवाचार और उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।"

प्रशिक्षण कार्यक्रम को अधिकारियों द्वारा खूब सराहा गया तथा उन्होंने विशेषज्ञों से सीखने तथा अपने साथियों के साथ अनुभव साझा करने के अवसर की सराहना भी की।

साथ ही डाक विभाग और भा. प्रौ. सं. जोधपुर, भारतीय डाक अधिकारियों की क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए भविष्य के प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर सहयोग करने की योजना बना रहे हैं।

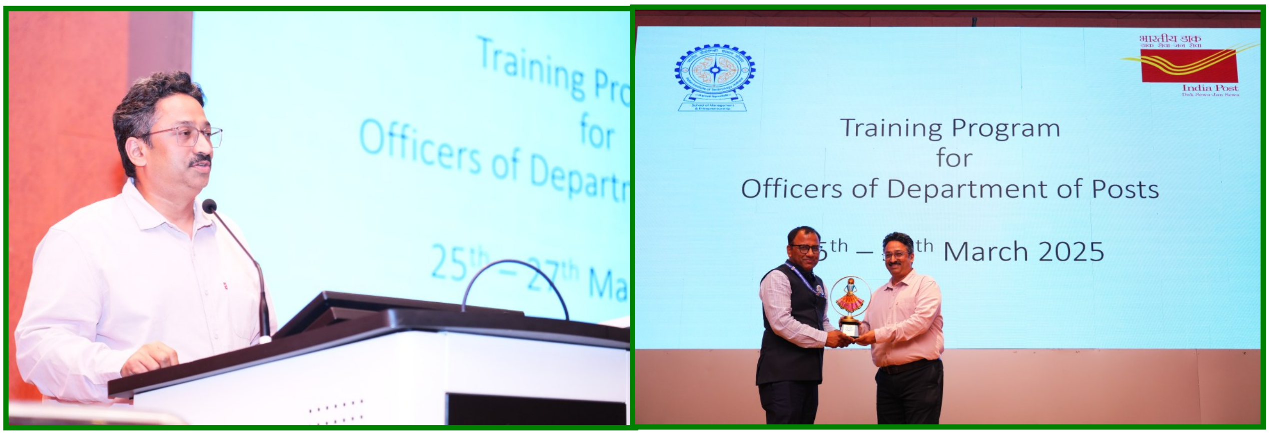

श्री संजीव चावला, उप निदेशक, डाक विभाग का स्वागत एवं भाषण उपरांत छायाचित्र

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों का समूह छायाचित्र

ई-सरल हिंदी वाक्य कोश

[Circulation] Booklets are published for circulation.	[परिचालन] पुस्तिकाएं परिचालनार्थ प्रकाशित की जाती हैं।
[Delegates] Large number of Delegates were attended during the Conference.	[प्रतिनिधि] सम्मेलन में बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।
[Released] Booklets are released during the conference.	[लोकार्पण] सम्मेलन के दौरान पुस्तिकाओं का लोकार्पण किया जाता है।
[Documentary film] A Documentary film is prepared for the conference.	[वृतचित्र] सम्मेलन के लिए वृतचित्र बनाया जाता है।
[Criteria] The evaluation criteria have been prepared.	[मानदंड] मूल्यांकन मानदंड तैयार किए गए हैं।
[Declaration] Shillong Declaration has been adopted.	[घोषणापत्र] शिलांग घोषणापत्र अपनाया गया।

जेसीकेआईसी - परियोजना समीक्षा निगरानी समिति की बैठक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के नेतृत्व में 26 मार्च, 2025 को जोधपुर शहर नवाचार ज्ञान समूह (जेसीकेआईसी) ने परियोजना समीक्षा निगरानी समिति (पीआरएमसी) बैठक 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन अंतरविषयक अनुसंधान व नवाचार को बढ़ावा देने तथा विविध वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। जेसीकेआईसी, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के तहत एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PM-STIAC) के मार्गदर्शन में स्थापित किया गया है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को एकीकृत करती है। नोडल एजेंसी के रूप में, भा.प्रौ.सं. जोधपुर, जोधपुर क्षेत्र के विभिन्न शिक्षाविदों, अनुसंधान संस्थानों, उद्योग और सरकारी संस्थाओं के बीच उच्च प्रभाव वाले सहयोग की सुविधा प्रदान करता है। पीआरएमसी मीटिंग 2025 में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का एक प्रतिष्ठित पैनल एक साथ आया। समिति में पीआरएमसी की अध्यक्ष और भारत सरकार के पीएसए कार्यालय की पूर्व वैज्ञानिक सचिव डॉ. स्वाति बसु, आईटीसी लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक श्री आनंद नायक, डीएई राजा रमन्ना फेलो और आईयूएसी के पूर्व निदेशक डॉ. दिनाकर कांजीलाल, सीएसआईआर भटनागर फेलो और हनी बी नेटवर्क के संस्थापक प्रो. अनिक के गुप्ता, आईआईटी दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो. रामगोपाल राव, पीएसए कार्यालय के वैज्ञानिक-एफ डॉ. विशाल चौधरी और पीएसए कार्यालय के वैज्ञानिक-डी श्री विवेक कुमार शामिल थे। उनकी सामूहिक विशेषज्ञता ने क्लस्टर के विकास के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि व रणनीतिक दिशा प्रदान की। बैठक के दौरान विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की गई तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई, जिससे नवाचार आधारित विकास को अधिक गति देने की संभावनाएँ मजबूत हुईं।

JCKIF
JCKIF

जोधपुर शहर नवाचार ज्ञान समूह (जेसीकेआईसी) परियोजना समीक्षा निगरानी समिति (पीआरएमसी) की बैठक 2025 के छायाचित्र

बैठक के दौरान, भा. प्रौ. सं. जोधपुर के निदेशक, प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने आने वाले वर्षों में जेसीकेआईसी को आत्मनिर्भर बनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एक मजबूत, नवाचार-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर प्रकाश डाला जो क्षेत्र के वैज्ञानिक और आर्थिक विकास में योगदान करते हुए दीर्घकालिक कुशलता सुनिश्चित करता है। उनके साथ भा. प्रौ. सं. जोधपुर के नेतृत्व के प्रमुख सदस्य सम्मिलित हुए, जिनमें जेसीकेआईसी के निदेशक और भा. प्रौ. सं. जोधपुर के निदेशक के सलाहकार प्रो. संपत राज वडेरा, डीन प्रशासनिक प्रो. श्रीप्रकाश तिवारी व सेक्शन 8 कंपनियों के प्रभारी प्रो. विवेक विजय के साथ-साथ अन्य संकाय सदस्य शामिल थे। चर्चाएँ नवाचार के उत्प्रेरक के रूप में जेसीकेआईसी की भूमिका को मजबूत करने पर केंद्रित थी। यह समूह अंतरविषयक सहयोग को बढ़ावा देने, ज्ञान के आदान-प्रदान व उच्चतम शोध को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है जो विचारों और बाजार के लिए तैयार समाधानों के बीच की खाई को भर सके। स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स और एमएसएमई को सशक्त बनाकर, जेसीकेआईसी का लक्ष्य मजबूत ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन व स्मार्ट बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाना है - ये सभी चर्चाएँ भारत के वैज्ञानिक और आर्थिक विकास में योगदान प्रदान करती हैं।

जेसीकेआईसी का दृष्टिकोण तात्कालिक तकनीकी सफलताओं से परे है। यह एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित करके एक स्थायी प्रभाव पैदा करना चाहता है जो उद्यमी प्रतिभा का समर्थन करता है, नवाचार-आधारित विकास को प्रोत्साहित करता है, और अनुसंधान से अनुप्रयोग तक एक सहज विकासयुक्त पथ सुनिश्चित करता है। यह उद्देश्य परिवर्तनकारी बदलाव लाने और प्रौद्योगिकी, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता में खुद को अग्रणी स्वरूप में स्थापित करने के लिए भा. प्रौ. सं. जोधपुर के समर्पण को दर्शाता है। पीआरएमसी मीटिंग 2025 का सफल आयोजन भारत के नवाचार परिदृश्य को आगे बढ़ाने के लिए भा. प्रौ. सं. जोधपुर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। गतिशील साझेदारी को बढ़ावा देने और ज्ञान-संचालित विकास को सक्षम करने के माध्यम से, जेसीकेआईसी भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के भविष्य को आकार देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को मजबूत करते हुए, अभूतपूर्व प्रगति का मार्ग प्रशस्त करना जारी रखेगा।

J C K I C
JCKIF

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत एवं समूह छायाचित्र

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन थ्राइव 2025 का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर , भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA) और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा, पर्यावरण और स्थिरता सोसायटी (ISEES) के सहयोग से 19 से 21 मार्च 2025 तक आयोजित थ्राइव 2025 सम्मेलन एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है, जिसका उद्देश्य स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से थार पारिस्थितिकी तंत्र को सतत विकास की दिशा में परिवर्तित करना था। इस सम्मेलन ने वैज्ञानिकों, उद्यमियों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ लाकर पर्यावरणीय और आर्थिक चुनौतियों से निपटने हेतु विचारों का आदान-प्रदान और रणनीतिक साझेदारियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया। थ्राइव 2025 की विषयवस्तु में टिकाऊ व्यवसाय के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी, उभरती प्रौद्योगिकियों की स्थिरता, स्टार्टअप और निवेशक मिलन, उद्यमिता में विज्ञान और तकनीक की भूमिका, सरकार और उद्योग के सहयोग, अपशिष्ट प्रबंधन और उपचार, जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन और शमन, रेगिस्तानी जल प्रबंधन, शुष्क क्षेत्रों की कृषि में स्थिरता, हरित ऊर्जा समाधान, सांस्कृतिक पर्यटन, कला और विरासत तथा कपड़ा उद्योग में स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। इस सम्मेलन में 150 से अधिक प्रतिष्ठित प्रतिभागी सम्मिलित हुए जिनमें प्रख्यात वैज्ञानिक, उद्योग जगत के अग्रणी नेता, नीति निर्माता, उद्यमी और अग्रणी स्टार्टअप के सीईओ शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में भारत के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा दी जाने वाली 10 पूर्ण वार्ताएं तथा 50 से अधिक मुख्य सत्रों में प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों की प्रस्तुतियां शामिल थी। सम्मेलन के दौरान आयोजित पैनल चर्चाएं, जिनका नेतृत्व INSA के अध्यक्ष प्रोफेसर आशुतोष शर्मा और भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश अग्रवाल ने किया ने सतत नवाचार और उद्यमशीलता की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। थ्राइव 2025 न केवल थार क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक परिवर्तनकारी प्रयास था बल्कि यह संपूर्ण देश और विश्व के लिए स्थायी विकास की दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण था।

Transforming the Thar Ecoregion through Startups, Innovation and Entrepreneurship for Sustainable Development
THRIVE 2025
March 19-21, 2025
THRIVE 2025

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित अतिथियों का समूह छायाचित्र

Transforming the Thar Ecoregion through Startups, Innovation and Entrepreneurship for Sustainable Development
THRIVE 2025
IIT JODHPUR
THRIVE 2025

थ्राइव 2025 कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों का स्वागत, निदेशक महोदय द्वारा भाषण एवं अन्य छायाचित्र

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को मान्यता देने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए महिला सशक्तिकरण के उत्सव के रूप में 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। 1910 में क्लारा ज़ेटकिन नामक एक जर्मन महिला ने इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा था। इस दिन के माध्यम से समाज को हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जाता है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने "सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण" विषय पर एक विचारोत्तेजक और प्रेरक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि हमारे समाज की प्रगति और सफलता में महिलाओं की भागीदारी का महत्व अतुलनीय है । आज हर क्षेत्र में, चाहे वह शिक्षा हो, चिकित्सा हो, विज्ञान हो या व्यवसाय हो- महिलाएं अपने कौशल, कड़ी मेहनत और समर्पण से नई ऊँचाइयों को छू रही हैं। उनकी भागीदारी ने न केवल संस्थानों को मजबूत किया है बल्कि समाज को भी एक बेहतर दिशा दी है। हमारे संस्थान में भी महिलाओं ने अपनी मेहनत और रचनात्मकता से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुझे गर्व है कि हम हर महिला कर्मचारी को समान अवसर प्रदान करने और उनके विकास में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. रंजना देसाई, पूर्व निदेशक, उम्मेद अस्पताल, जोधपुर ने महिला स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर बहुमूल्य जानकारी साझा की । साथ ही सम्मानित अतिथि सुश्री अनुराधा आडवाणी, सह-संस्थापक, अनुबंध - ओल्ड एज होम ने आज की सशक्त महिलाओं पर प्रकाश डाला। सुश्री सुहासिनी सीलिन द्वारा क्यूरेट की गई एक नाट्य नाटिका ने कलात्मक स्पर्श जोड़ते हुए कहानी कहने की शक्ति को प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के छात्रों द्वारा एक आकर्षक पैनल चर्चा थी, जिसका संचालन भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स की डॉ. शेरिन साबु ने किया, जिसमें लैंगिक समानता और सशक्तिकरण पर विचारोत्तेजक विचारों पर चर्चा की गई । सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी पूरी रुचि दिखाई।

8th
March 2025
national Wome
Marc
ernationa

मुख्य अतिथि डॉ. रंजना देसाई एवं सम्मानित अतिथि सुश्री अनुराधा आडवाणी द्वारा भाषण

March 2025
International Women's Day
Chief Guest
Guest of Honour
Ms. Anuradha Advani
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
Indian Institute of Technology Jodhpur
celebrates
8th

मुख्य अतिथि डॉ. रंजना देसाई एवं सम्मानित अतिथि सुश्री अनुराधा आडवाणी का स्वागत एवं कार्यक्रम के अन्य छायाचित्र

महिला दिवस - रक्तदान शिविर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का आयोजन एक बहुत ही सराहनीय और प्रासंगिक पहल है। यह न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देता है बल्कि समाज में समाज सेवा और सशक्तिकरण का संदेश भी देता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), भा.प्रौ.सं. जोधपुर के रोटेरी क्लब और इग्नस'25 ने रोटरी क्लब ऑफ जोधपुर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस श्रेष्ठ पहल में लगभग 70 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जो सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है।

jointly o
BLOOD DC
CAM
Supported by the Departmen
Republic day
Venue: Prim
BLOOD
DO ION CAMP
rch 2025
08 March 2025
Rot

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर छात्रो एवं संस्थान के कार्मिकों द्वारा रक्तदान शिविर में रक्तदान के सामूहिक एवं मुख्य छायाचित्र।

विरासत 2025 का आयोजन

विरासत 2025 का आयोजन 12 से 16 फरवरी 2025 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समर्पित था और इसका आयोजन स्पिक मैके (सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक, आर्ट्स एंड कल्चर अमंग यूथ) के सहयोग से किया गया जो भारत की समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत कार्यक्रम था। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में कई जाने-माने कलाकारों ने हिस्सा लिया, जिसने कला और संगीत प्रेमियों को एक बेहतरीन मंच प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत 12 फरवरी 2025 को सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक, आर्ट्स एंड कल्चर अमंग यूथ के सम्मानित संस्थापक डॉ किरण सेठ के प्रेरणादायक भाषण से हुई। अपने संबोधन में डॉ. सेठ ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक उत्कृष्टता पर शास्त्रीय कला और संगीत के गहन प्रभाव पर जोर दिया और आंतरिक शांति, अनुशासन और सद्भाव को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा और इसके बाद मंच पर प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा अद्भुत एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गई।

विरासत 2025 के दौरान प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां और कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रोतागण के छायाचित्र

कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य के कुछ सर्वाधिक प्रतिष्ठित कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियां देखी :-

पंडित उल्हास कशालकर (हिंदुस्तानी गायन): हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की जटिल बारीकियों को प्रदर्शित करते हुए अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अरुणा मोहंती (ओडिसी नृत्य): ओडिसी नृत्य शैली की भव्यता को जीवंत करते हुए अपनी सुंदर चाल और भावपूर्ण कहानी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्वान डी. बालकृष्ण (कर्नाटक वीणा): वीणा पर अपनी महारत के माध्यम से कर्नाटक परंपरा की चमक को प्रदर्शित किया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

उस्ताद एफ. वसीफुद्दीन डागर (ध्रुपद): अपने शक्तिशाली और गहन गूंज वाले ध्रुपद गायन से श्रोताओं को ध्यान की अवस्था में पहुँचा दिया।

उस्ताद शाहिद परवेज़ खान (सितार): एक आकर्षक सितार वादन में तकनीकी महारत और भावनात्मक गहराई दोनों का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की जीवंतता को बढ़ाते हुए, हमीरा मंगनियार समूह ने राजस्थानी लोक संगीत का एक अद्भुत प्रदर्शन दिया जिसने दर्शकों को राजस्थान की रंगीन संगीत परंपराओं में डुबो दिया। हिंदुस्तानी और कर्नाटक से लेकर लोक और शास्त्रीय नृत्य तक की विविध शैलियों के इस मिश्रण ने भारत की सांस्कृतिक विरासत की विशालता को उजागर किया।

इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय स्वरुप में भाग लिया और प्रस्तुतियों की सराहना की गई। कई शास्त्रीय संगीत और नृत्य प्रेमियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे यह वास्तव में एक समावेशी सांस्कृतिक कार्यक्रम बन गया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने विरासत 2025 की शानदार सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, "भा.प्रौ.सं. जोधपुर भारत की समृद्ध कलात्मक परंपराओं को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि युवा दिमाग हमारी शास्त्रीय विरासत की गहराई और सुंदरता से परिचित हों। यह कार्यक्रम भा.प्रौ.सं. जोधपुर के समग्र शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रमाण है, जहां सांस्कृतिक समृद्धि तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा का पूरक है। भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य के बेहतरीन कलाकारों के साथ इस तरह की बातचीत छात्रों को प्रेरित करेगी और कला के प्रति उनकी प्रशंसा को गहरा करेगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्पिक मैके और सभी कलाकारों को भी धन्यवाद दिया गया।"

विरासत 2025 ने छात्रों और बड़े समुदाय के बीच सांस्कृतिक प्रशंसा और कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि की, संगीत, नृत्य और परंपरा के इस आयोजन का उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिससे उपस्थित सभी लोगों में शास्त्रीय संगीत और नृत्य के प्रति प्रेम को बढ़ावा मिला।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2025 कार्यक्रम

विभिन्न भाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें संरक्षित करने के उद्देश्य से 21 फरवरी 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इस दिवस को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1999 में घोषित किया गया था। जिसका उद्देश्य दुनिया भर में मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को प्रोत्साहित करना है, साथ ही भाषाई विविधता और बहुसंस्कृतिवाद को बढ़ावा देना है। यह विभिन्न भाषाओं को बढ़ावा देने का एक अवसर भी है, ताकि भाषाओं को विलुप्त होने से बचाया जा सके और उनके संवर्धन में योगदान दिया जा सके। सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और स्थानीय भाषाओं को जीवित रखना भी इसका मुख्य उद्देश्य है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2025 का थीम था, “भाषाएँ महत्वपूर्ण है: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह”। इस दिन की 25वीं वर्षगाँठ मनाने के लिए निर्धारित किया गया है।

इस अवसर पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने मातृभाषा दिवस पर भाषाई विविधता पर चर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य जागरूकता अभियान आयोजित किए गए। कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित शीन काफ निजाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिन्होंने अपने गहन शब्दों और काव्यात्मक अभिव्यक्तियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शाम को भाषाओं, साहित्य और कला का जश्न मनाने वाले जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शनियों से समृद्ध किया गया, जिसे ईबीएसबी क्लब, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के छात्रों और समुदाय द्वारा खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री शीन काफ़ निज़ाम व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के छायाचित्र

and literary scholar
Sat Sri Akal
Ciao
Vanakkam
konnichiwa
Chibai
Sagatam
olà
nay ho
aloha
shalom
Kem Cho
Khamma Ghani
Parnam
Assalam alaikum
Nomoshkar
Namaste
Adaab
Hallo
Ram Ram
Venue:
Time: 5:30
Days
Committee
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर
Indian Institute of Technology Jodhpur
Celebrates
अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस
INTERNATIONAL MOTHER LANGUAGE DAY
21st February, 2025
Chief Guest

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2025 कार्यक्रम के दौरान निदेशक के सलाहकार प्रोफेसर संपत राज वडेरा द्वारा मुख्य अतिथि पद्मश्री शीन काफ निजाम का स्वागत, छात्रों द्वारा प्रस्तुतियां और कार्यक्रम के अन्य छायाचित्र

रमेश अग्रवाल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2025

प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, निदेशक

प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, निदेशक भा.प्रौ.सं. जोधपुर को विज्ञान, इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में प्रतिष्ठित तीसरे IETI रमेश अग्रवाल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है । यह मान्यता मैकेनिकल इंजीनियरिंग और ऊर्जा अनुसंधान, विशेष रूप से ईंधन प्रौद्योगिकी, वैकल्पिक ऊर्जा, लेजर डायग्नोस्टिक्स और उत्सर्जन नियंत्रण में उनके उत्कृष्ट योगदान का प्रमाण है - ऐसे क्षेत्र जिन्होंने महत्वपूर्ण वैश्विक प्रभाव डाला है।

उनका अथक समर्पण और अग्रणी कार्य दुनिया भर के शोधकर्ताओं को प्रेरित करता रहता है । रमेश अग्रवाल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2025, जिसे आधिकारिक रूप से "आईईटीआई रमेश अग्रवाल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड" कहा जाता है, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार International Engineering and Technology Institute (IETI) द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है। 2025 में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक, प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल को उनके विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जीवनभर के उत्कृष्ट योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया। यह घोषणा 25 जनवरी 2025 को की गई थी और यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने अनुसंधान, शिक्षा और सेवा के माध्यम से विज्ञान, इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गहन और स्थायी प्रभाव डाला हो। प्रोफेसर अग्रवाल ने अपने संपूर्ण करियर में उच्च गुणवत्ता वाले शोध, छात्रों के मार्गदर्शन, और शिक्षाविदों के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता का परिचय दिया है, जिससे वे इस सम्मान के लिए उपयुक्त सिद्ध हुए । इस पुरस्कार के लिए नामांकित व्यक्ति वरिष्ठ शोधकर्ता होने चाहिए, जिनके पास अपने-अपने क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और सेवा में महत्वपूर्ण जीवनभर का योगदान हो। नामांकन की प्रक्रिया अत्यंत चयनात्मक होती है, जिसमें दो वरिष्ठ शोधकर्ताओं द्वारा प्रत्याशी का नामांकन आवश्यक होता है। इसके साथ ही, उम्मीदवार को एक विस्तृत बायोडाटा, 400 शब्दों की संक्षिप्त जीवनी और कम से कम पाँच प्रतिनिधि शोध पत्र प्रस्तुत करने होते हैं, जो उनके अकादमिक गहराई और प्रभाव को दर्शाते हैं। प्रोफेसर अग्रवाल का यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान को पहचानता है, बल्कि यह आईआईटी जोधपुर के लिए भी एक गौरवपूर्ण क्षण है, जो अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान में उत्कृष्ट नेतृत्व का प्रतीक बन चुका है।

कार्यशाला एवं सम्मेलन

जेनपैक्टटॉक्स व एंटरप्रेन्योरियल इनसाइट्स

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (भा.प्रौ.सं. जोधपुर) में नेतृत्व, नवाचार और व्यावसायिक सूझ-बूझ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो प्रेरणादायक और अंतर्दृष्टिपूर्ण *नेतृत्व वार्ता श्रृंखला* सत्रों का आयोजन किया गया, जो छात्रों के लिए उद्योग जगत के वास्तविक अनुभवों से सीखने का एक अनूठा अवसर साबित हुआ। पहला सत्र *जेनपैक्टटॉक्स* शीर्षक से 27 फरवरी, 2025 को आयोजित हुआ, जिसमें जेनपैक्ट के वरिष्ठ अधिकारियों - श्री अनुग्रह शुक्ला (उपाध्यक्ष, मानव संसाधन) और श्री विकास महाजन (वैश्विक कार्यक्रम प्रबंधन प्रमुख) — ने वैश्विक कार्यक्रम प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी रणनीतिक अंतर्दृष्टियाँ साझा कीं। उन्होंने यह विशेष रूप से रेखांकित किया कि कैसे “सद्भाव में एक साथ सफल होना” उनके नेतृत्व दर्शन का मूल मंत्र है, और कैसे यह विचार आधुनिक संगठनों में सहयोग और प्रभावी नेतृत्व के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होता है। इसके बाद, 28 फरवरी, 2025 को आयोजित दूसरे सत्र *एंटरप्रेन्योरियल इनसाइट्स* में, *प्लूटोसवन* के सह-संस्थापक श्री रजत गुलाटी ने “ऐसी चीजें जो मैं चाहता हूं कि मैं तब जानता जब मैं छोटा था – एक 40 वर्षीय संस्थापक के लिए कठिन सबक” विषय पर एक अत्यंत विचारोत्तेजक वार्ता प्रस्तुत की। उनके अनुभवों से सजी यह प्रस्तुति विशेष रूप से एमबीए छात्रों के लिए उपयोगी रही, जिसमें उन्होंने उद्यमशीलता की चुनौतियों, अवसरों और सीखों को अत्यंत ईमानदारी से साझा किया। इन दोनों सत्रों का आयोजन वरिष्ठ प्रबंधक – कॉर्पोरेट संबंध, श्री नीरज पचार द्वारा किया गया और इन्हें प्रमुख विषय विशेषज्ञ (एसएमई) श्री दीपक सक्सेना के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। ऐसे आयोजन न केवल छात्रों को वास्तविक दुनिया की विशेषज्ञता से जोड़ते हैं, बल्कि उन्हें नेतृत्व और नवाचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और दूरदर्शी बनने के लिए प्रेरित भी करते हैं। भा.प्रौ.सं. जोधपुर का यह प्रयास छात्रों को उद्योग और उद्यमशीलता के संगम पर खड़ा कर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

कार्यक्रम के पश्चात समूह छायाचित्र

एनालिटिक्स की नई परिभाषा: जनरेटिव-एआई युग में व्यवसाय का संचालन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप ने केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी के सहयोग से एनालिटिक्स को फिर से परिभाषित करने पर एक ज्ञानवर्धक सत्र की मेजबानी की, जिसमें व्यवसाय रणनीतियों पर जनरेटिव एआई के परिवर्तनकारी प्रभाव की खोज की गई।

श्री संदीप तनेजा (सीएफओ, गेट्स इंडिया), श्री योगेश कुलकर्णी (वरिष्ठ निदेशक, इलास्टिकरन), सुश्री श्रेयल डिसूजा (कार्यात्मक सलाहकार, डेलोइट) और श्री साग्निक पांडा (वरिष्ठ सलाहकार, ईवाई) सहित उद्योग के विशेषज्ञों ने अपनी विशेषज्ञता साझा की, जो विकसित हो रहे एआई-संचालित व्यवसाय परिदृश्य पर प्रकाश डालती है। आकर्षक चर्चाओं ने छात्रों और पेशेवरों को व्यावसायिक निर्णय लेने और नवाचार के लिए एआई का लाभ उठाने पर अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की।"

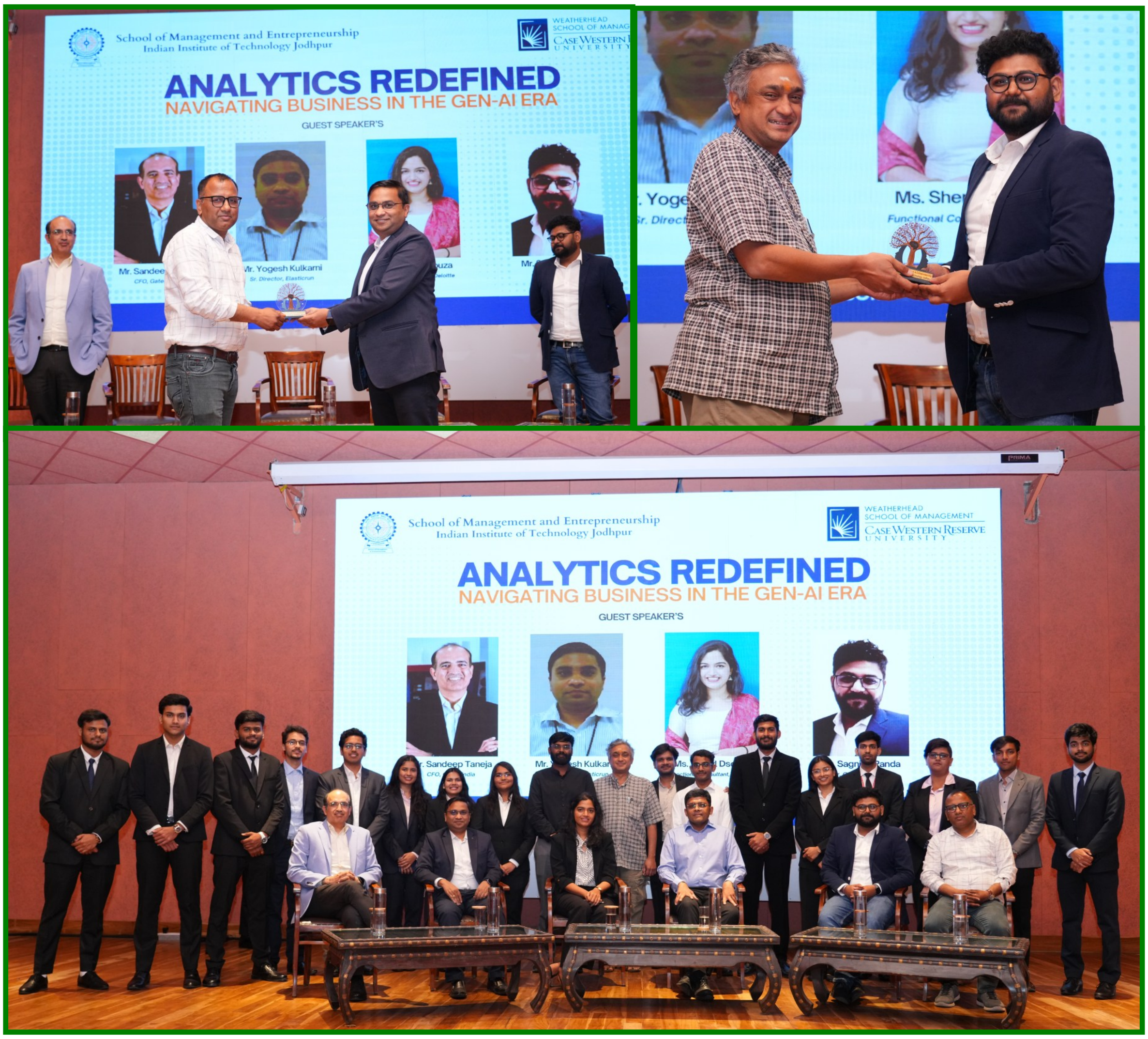
School of Management and Entrepreneurship
Indian Institute of Technology Jodhpur
WEATHERHEAD SCHOOL OF MANAGEMENT
CASE WESTERN RESERVE UNIVERSITY
ANALYTICS REDEFINED
NAVIGATING BUSINESS IN THE GEN-AI ERA
GUEST SPEAKER'S

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं विद्यार्थियों के साथ ग्रुप छायाचित्र एवं अन्य छायाचित्र

“नेविगेटिंग पीएचडी एंड बियॉन्ड” शीर्षक पर कार्यशाला

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 27 जनवरी, 2025 को अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) के सहयोग से “नेविगेटिंग पीएचडी एंड बियॉन्ड” का आयोजन किया। यह एक गतिशील कार्यक्रम था जिसे युवा शोधकर्ताओं को शिक्षा और उद्योग में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल, दृष्टिकोण और रणनीतियों से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक सत्र शामिल थे जिनमें प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल (निदेशक, भा.प्रौ.सं. जोधपुर), प्रो. आशुतोष शर्मा, स्कॉलर इन रेजिडेंस और अध्यक्ष, आई.एन.एस.ए., डॉ. दीक्षा गुप्ता (ए.सी.एस.), डॉ. आनंद मधुकर (टी.ई.आर.आई. एस.ए.एस), और डॉ. अजय झा (ए.सी.एस.) शामिल थे।

इस कार्यक्रम में शोधकर्ताओं को अनुसंधान में स्थिरता का महत्व, वैज्ञानिक संचार की कला में महारत हासिल करना, कैरियर के रास्ते पर आगे बढ़ना और पीएचडी का अधिकतम लाभ उठाने के संदर्भ में अवगत कराया गया। इस कार्यशाला से सभी शोधकताओं एवं संकाय सदस्यों ने लाभ लिया।

Dr. Anand
Madhukar
Assistant Professor
TERI School of
Advanced Studies

मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के छायाचित्र

> **सपने वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते। -**
>
> ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

कार्यालय, सतत शिक्षा केंद्र (सीसीई) का उद्घाटन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने आजीवन शिक्षा और कौशल संवर्धन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सतत शिक्षा केंद्र (Centre for Continuing Education - CCE) के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। यह पहल न केवल संस्थान की सामाजिक और शैक्षणिक जिम्मेदारियों को दर्शाती है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के पेशेवरों, शिक्षकों और छात्रों को निरंतर सीखने के अवसर प्रदान करने की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता को भी उजागर करती है। सतत शिक्षा केंद्र के माध्यम से आधुनिक तकनीकी दक्षताओं, नवीनतम शोध-आधारित पाठ्यक्रमों और उद्योग केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुलभ बनाना लक्ष्य है । इस अवसर पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष श्री ए.एस. किरण कुमार तथा भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही । कार्यक्रम में निदेशक के सलाहकार प्रोफेसर संपत राज वडेरा, प्रोफेसर भबानी के. सत्पथी, एमएमई विभाग, प्रोफेसर श्री प्रकाश तिवारी, डीन (प्रशासन), डॉ. अविनाश शर्मा, पीआईसी (सीसीई) और श्री अश्विनी कुमार गुप्ता, तकनीकी संचार प्रबंधक भी शामिल हुए । यह उद्घाटन संस्थान के सतत शिक्षा कार्यक्रमों को और अधिक संगठित, सुलभ और प्रभावशाली बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक शुरुआत है, जो विभिन्न वर्गों के पेशेवरों को निरंतर सीखने के अवसर प्रदान करेगा । भा.प्रौ.सं. में सीसीई उद्योग के पेशेवरों, शिक्षाविदों और छात्रों के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल विकास के अवसर और पेशेवर विकास पहल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ।

सतत शिक्षा केंद्र (CCE) के कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर श्री ए.एस. किरण कुमार द्वारा रिबन काटकर उद्घाटन तथा उद्घाटन के पश्चात प्रोफेसर भबानी के. सत्पथी, डॉ. अविनाश शर्मा, प्रोफेसर संपत राज वडेरा, श्री ए.एस. किरण कुमार, प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल, प्रोफेसर श्री प्रकाश तिवारी एवं श्री अश्विनी कुमार गुप्ता के साथ समूह छायाचित्र ।

वॉलीबॉल टूर्नामेंट

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 11 से 13 फरवरी 2025 तक आयोजित हुआ 2-ऑन-2 वॉलीबॉल टूर्नामेंट न केवल खेल भावना का प्रतीक बना, बल्कि छात्रों के बीच टीमवर्क, रणनीति और आपसी सहयोग को भी मजबूती से उजागर करने वाला एक महत्वपूर्ण आयोजन साबित हुआ। इस टूर्नामेंट में छात्रों ने जोड़ी बनाकर भाग लिया और अपने कौशल व सामंजस्य का प्रदर्शन करते हुए प्रतिस्पर्धा को रोमांचक और यादगार बना दिया। बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह भा.प्रौ.सं. जोधपुर के वॉलीबॉल कोर्ट परिसर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया, जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रश्मि अविनाश अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य बनाया। साथ ही संकाय अध्यक्षगण, कुलसचिव, सह-संकाय अध्यक्षगण तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन समारोह की ऊर्जा और जोश ने जैसे पूरे टूर्नामेंट के लिए उत्साह की नींव रख दी और खिलाड़ियों में नए जोश का संचार किया। टूर्नामेंट के तीनों दिन खिलाड़ियों ने कोर्ट पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और दर्शकों को शानदार मैचों का अनुभव प्राप्त हुआ। यह आयोजन ‘खेलो इंडिया’ की भावना को साकार करता हुआ, न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला रहा बल्कि छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और खेल में रणनीतिक सोच विकसित करने वाला एक प्रभावशाली मंच सिद्ध हुआ। टूर्नामेंट ने यह दर्शाया कि किस प्रकार खेलों के माध्यम से छात्रों में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और सहयोग जैसे जीवन कौशलों का विकास किया जा सकता है।

वॉलीबॉल टूर्नामेंट के पश्चात मुख्य अतिथि एवं खेल में प्रतिभागियों के साथ समूह छायाचित्र

पैन-आईआईटी वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी 2025

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 17–19 जनवरी 2025 को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित पैन-आईआईटी वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी (PIWOT) 2025 में गर्वपूर्वक भाग लिया । इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में 2,000 से अधिक भा.प्रौ.सं. पूर्व छात्र, उद्योग विशेषज्ञ, शोधकर्ता, नीति निर्माता और उद्यमी एकत्रित हुए। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने निदेशक फोरम में पूर्व छात्रों की भूमिका और नवाचार में उनके योगदान पर अपने विचार साझा किए। प्रतिनिधिमंडल में प्रो. कौशल ए. देसाई, डॉ. शंकर मनोहरन, और डॉ. अंकुर गुप्ता शामिल थे। संस्थान के प्रदर्शनी बूथ पर श्री बैकुंठ नाथ साहू, श्री अभिषेक यादव और श्री अजय पारख ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर के नवाचारों, शोध और रणनीतिक पहलों को प्रस्तुत किया, जिससे वैश्विक सहयोग की संभावनाएं और मजबूत हुईं। PIWOT 2025 में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, और डॉ. रघुनाथ माशेलकर जैसी प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। तकनीकी सत्रों में सतत विकास, हरित ऊर्जा, एग्रीटेक, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे विषयों पर चर्चा हुई । स्टार्टअप कॉन्क्लेव में 250 से अधिक स्टार्टअप्स और 200 निवेशकों ने भाग लिया, जबकि “IMAGINE” हैकाथॉन में जनरेटिव एआई और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों पर समाधान प्रस्तुत किए गए। साथ ही, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी में आयोजित उपग्रह कार्यक्रमों और प्रदर्शनी ने PIWOT 2025 को और अधिक व्यापक और सफल बनाया । यह आयोजन प्रौद्योगिकी, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन को एक साझा मंच पर लाने की एक प्रभावशाली पहल साबित हुआ।

69
IIT JODHPUR

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कर्मचारियों का समूह छायाचित्र और निदेशक महोदय द्वारा संवाद करते क्षण

> **"वक्त से लड़कर जो अपना नसीब बदल दे, वही इंसान है जो इतिहास बदल दे।"**
>
> \- *हरिवंश राय बच्चन*

भा.प्रौ.सं. जोधपुर पूर्व छात्र संघ का मुंबई चैप्टर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को यह घोषणा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि मुंबई में भा.प्रौ.सं. जोधपुर एलुमनी एसोसिएशन का नया चैप्टर 17 जनवरी 2025 को आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया, जिसमें प्रोफेसर के.ए. देसाई (डीन ऑफ रिसोर्सेज एंड एलुमनी), डॉ. शंकर मनोहरन (एसोसिएट डीन, एलुमनी रिलेशन्स), डॉ. अंकुर गुप्ता (एसोसिएट डीन, इंटरनेशनल रिलेशन्स), और श्री बैकुंठ नाथ साहू (सहायक कुलसचिव) शामिल थे। इस शुभारंभ में भा.प्रौ.सं. जोधपुर एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री वैभव गुंड्रे के साथ मुंबई के 20 से अधिक गतिशील और सक्रिय पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की, जिससे इस आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई।

प्रो. अग्रवाल ने अपने मुख्य भाषण में पूर्व छात्रों की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए बताया कि कैसे ये पूर्व छात्र संस्थान के भविष्य को आकार देने और वैश्विक स्तर पर इसके विकास को बढ़ावा देने में अहम योगदान दे सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एलुमनी नेटवर्क न केवल संस्थान के लिए बल्कि समग्र समाज के लिए भी नवाचार, उद्यमशीलता और शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा करने में सहायक होगा। इस पहल से भा.प्रौ.सं. जोधपुर के पूर्व छात्रों को एकजुट होकर अपनी विशेषज्ञता, संसाधन और अनुभव साझा करने का अवसर मिलेगा, जिससे संस्थान और उसके समुदाय दोनों को लाभ होगा। मुंबई चैप्टर के शुभारंभ से भा.प्रौ.सं. जोधपुर की अंतर्राष्ट्रीय पहुंच मजबूत होगी और पूर्व छात्रों के बीच सहयोग और संवाद का एक सशक्त मंच स्थापित होगा। यह न केवल नेटवर्किंग के नए द्वार खोलेगा, बल्कि नवाचार, रोजगार सृजन और सामाजिक विकास के लिए भी प्रेरणा देगा। ऐसे कार्यक्रम संस्थान की समग्र प्रगति और वैश्विक पहचान को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
Indian Institute of Technology Jodhpur
IIT JODHPUR ALUMNI BOMBAY CHAPTER
LAUNCH OF THE
IIT Jodhpur Alumni Bombay Chapter
17th January 2025
HARVARD

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कर्मचारियों एवं छात्रों के साथ निदेशक महोदय का समूह छायाचित्र

समझौता ज्ञापन

यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर का दौरा किया

यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने हाल ही में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का दौरा किया, जो अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह दौरा न केवल संस्थान की वैश्विक भागीदारी को सशक्त करता है, बल्कि भारत और यूरोपीय देशों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझा हितों को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक ठोस कदम है। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. सोरेन ट्रैनबर्ग हैनसेन (भारत में डेनमार्क का दूतावास), सुश्री टी पिरिह (स्लोवेनियाई दूतावास, नई दिल्ली), श्री माइकल पाल (ऑस्ट्रियाई दूतावास, नई दिल्ली), सुश्री गेनी जॉर्ज शाजू (भारत में स्वीडन), सुश्री विक्टोरिया अपित्ज़ (जर्मन दूतावास, नई दिल्ली), डॉ. वैभव अग्रवाल (ड्यूश फ़ोर्सचुंग्सगेमेइनशाफ़्ट – DFG, जर्मन रिसर्च फ़ाउंडेशन) शामिल थे, और इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय श्री किंचित बिहानी (भारत में यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल) द्वारा किया गया।

इस अवसर पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के एसोसिएट डीन (इंटरनेशनल कनेक्ट) डॉ. अंकुर गुप्ता की अध्यक्षता में एक विचार-विमर्श आयोजित किया गया, जिसमें दोनों पक्षों के बीच अत्याधुनिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और भावी संयुक्त सहयोग की संभावनाओं पर गहन चर्चा हुई। यह संवाद भविष्य में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, स्टूडेंट और फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम्स और तकनीकी समाधान विकास में यूरोपीय साझेदारों के साथ सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

कार्यक्रम के पश्चात भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिसर में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों और संस्थान के अधिकारियों का समूह छायाचित्र

राष्ट्रीय सुरक्षा नवाचार के लिए नई पहल

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन और अनुसंधान के लिए मानेकशॉ उत्कृष्टता केंद्र (MCOENSSR) के उद्घाटन और 3 मार्च, 2025 को इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान-दिल्ली में आयोजित इसकी पहली आम परिषद बैठक का आयोजन किया गया। भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, भा.प्रौ.सं. जोधपुर, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भा.प्रौ.सं. कानपुर, भा.प्रौ.सं. धारवाड़ और सीडैक की संयुक्त पहल, यह केंद्र अत्याधुनिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास के माध्यम से भारत के रक्षा परिदृश्य को बदलने के लिए समर्पित है।

मुख्य केंद्र क्षेत्र:

- एआई और एयरोस्पेस – इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- साइबर सुरक्षा – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- हाइपरसोनिक अनुप्रयोग – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी
- यूएवी, एंटी-ड्रोन सिस्टम एवं निर्देशित ऊर्जा हथियार – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
- रक्षा के लिए IoT – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खान विद्यालय), धनबाद

प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली – CDACINDIA जनरल काउंसिल की बैठक में सैन्य कर्मियों के लिए अनुसंधान अनुवाद, रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम और पुनः रोजगार पाठ्यक्रमों में तेजी लाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप की रूपरेखा तैयार की गई। प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल (निदेशक, भा.प्रौ.सं. जोधपुर) और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों सहित प्रतिष्ठित नेताओं ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जो रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूएवी प्रौद्योगिकियों, ड्रोन रोधी प्रणालियों और निर्देशित ऊर्जा हथियारों में अग्रणी नवाचार, भारत के रक्षा

IIITD
Lt. Gen (Dr.) Subrata Saha
Prof. Devendra Jalihal

इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में आयोजित परिषद की बैठक के अवसर पर उपस्थित गणमान्य सदस्यों का समूह छायाचित्र

आईइन्वेनटिव-25 में प्रतिभागिता

भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने एक बार फिर अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका को सिद्ध करते हुए प्रोफेसर श्री प्रकाश तिवारी (डीन, प्रशासन) के नेतृत्व में IInvenTiv-25 जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास महोत्सव में भाग लिया। यह महोत्सव भा.प्रौ.सं. मद्रास (आईआईटी मद्रास) में 28 फरवरी से 1 मार्च, 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के प्रमुख तकनीकी संस्थानों - भा.प्रौ.सं., एनआईटी, आईआईएसईआर तथा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) में उच्च स्थान प्राप्त संस्थानों ने भागीदारी की। इस आयोजन का उद्घाटन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री, माननीय डॉ. सुकांत मजूमदार द्वारा किया गया, जो नवाचार और तकनीकी प्रगति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक प्रेरणास्पद क्षण था। समारोह के दौरान भा.प्रौ.सं. जोधपुर की अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने कुल सात अभिनव प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश की आवश्यकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, नवाचार के भविष्य को आकार देने हेतु आयोजित गोलमेज चर्चा में वैश्विक प्रतिनिधियों, उद्योग के प्रमुख नेताओं तथा रक्षा विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिसने कार्यक्रम की बौद्धिक गहराई और रणनीतिक महत्व को और अधिक सशक्त किया। इस आयोजन में भा.प्रौ.सं. जोधपुर की प्रभावशाली भागीदारी और नवाचारों की प्रस्तुतियाँ संस्थान की विकासशील भारत@2047 की परिकल्पना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। यह पहल देश की शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे सतत विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है, जो आने वाले वर्षों में भारत को एक वैश्विक नवाचार शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में योगदान देगी।

3rd Edition of the
R&D Innovation Fair of
Higher Education Institutes of India
Ministry of Education
Government of India
IInvenTiv
A GLOBAL INNOVATION SHOWCASE 2025
28th February
1st March 2025
IC & SR

कार्यक्रम में सम्मिलित प्रतिभागियों का समूह छायाचित्र

ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड एवं इवान फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (भा.प्रौ.सं. जोधपुर) ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार को नई दिशा देने के उद्देश्य से ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड और इवान फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह ऐतिहासिक सहयोग दो प्रमुख योजनाओं को लागू करने की दिशा में कार्य करेगा — *एंडोव्ड गोलिया चेयर प्रोफेसर* और *एंडोव्ड जोहारी यंग फैकल्टी फेलोशिप*। इन योजनाओं का उद्देश्य संस्थान में उत्कृष्ट शिक्षकों और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करना तथा वैश्विक ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने हेतु गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को सशक्त बनाना है। इस पहल के केंद्र में स्वच्छ ऊर्जा पर केंद्रित विचारधारा है, जो सतत विकास और हरित भविष्य की ओर बढ़ते भारत के कदमों को मजबूती प्रदान करती है। यह साझेदारी जोधपुर में जन्मे और भा.प्रौ.सं. बॉम्बे के पूर्व छात्र, श्री नरेंद्र गोलिया के दूरदर्शी नेतृत्व में संभव हो सकी है। श्री गोलिया, जो एक सफल उद्यमी और समाजसेवी हैं, उनके मार्गदर्शन में यह पहल प्रभावशाली शिक्षा, अत्याधुनिक अनुसंधान और सामाजिक दायित्व के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह समझौता न केवल संस्थान की अकादमिक और शोध क्षमताओं को सशक्त करेगा, बल्कि ऊर्जा एवं पर्यावरणीय समस्याओं के नवाचारी समाधान खोजने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस प्रकार, यह साझेदारी न केवल एक तकनीकी सहयोग है, बल्कि भारत के उज्जवल और स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की ओर एक ठोस कदम भी है, जो भा.प्रौ.सं. जोधपुर की नवाचार और स्थिरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक बन चुकी है।

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY JODHPUR

समझौता ज्ञापन के पश्चात समूह छायाचित्र

शहरी लचीलापन और स्थिरता केंद्र की स्थापना

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (भा.प्रौ.सं. जोधपुर) ने शहरी विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम उठाते हुए अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर "शहरी लचीलापन और स्थिरता हब (Urban Resilience and Sustainability Hub - URSH)" की स्थापना की घोषणा की है। यह पहल भविष्य के लिए तैयार शहरों के निर्माण को विज्ञान और स्थिरता के आधार पर नया आयाम देने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। वर्तमान समय में जब जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट वैश्विक चुनौती बन चुके हैं, URSH एक ऐसा मंच बनेगा जहाँ जलवायु-लचीले और टिकाऊ शहरी विकास के लिए नवाचार, शोध और व्यावहारिक समाधान उत्पन्न किए जाएंगे। इस हब की कार्ययोजना में स्मार्ट और हरित बुनियादी ढांचे से लेकर प्रकृति-आधारित समाधानों का समावेश होगा, जो न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को बल देंगे, बल्कि शहरी जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाएंगे। URSH नीतिगत हस्तक्षेप, सामुदायिक भागीदारी और अंतरविषयक अनुसंधान को जोड़ते हुए नीति-निर्माताओं, शहरी योजनाकारों और वैज्ञानिकों के लिए एक साझा मंच के रूप में कार्य करेगा। यह सहयोगात्मक प्रयास न केवल भा.प्रौ.सं. जोधपुर की अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को सशक्त बनाएगा, बल्कि यह देश के शहरी क्षेत्रों को जलवायु अनुकूल और सतत बनाने की दिशा में एक निर्णायक पहल भी सिद्ध होगा। URSH एक ऐसे भविष्य की नींव रखेगा जहाँ शहर केवल टिकाऊ ही नहीं, बल्कि लचीले, समावेशी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील भी होंगे।

समझौता ज्ञापन के पश्चात के छायाचित्र

जब कोई विचार अनन्य रूप से मस्तिष्क पर अधिकार कर लेता है तब वह वास्तविक भौतिक या मानसिक अवस्था में परिवर्तित हो जाता है - स्वामी विवेकानंद

उपलब्धियाँ

प्रोफेसर पराग अरविंद देशपांडे को सीएसआई सिस्टला कामेश्वरी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार - 2020

प्रो. पराग अरविंद

प्रो. पराग अरविंद देशपांडे को कैटेलिसिस अनुसंधान में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सीएसआई सिस्टाला कामेश्वरी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार - 2020 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान क्षेत्र में उनके समर्पण, नवाचार और प्रभावशाली कार्य का प्रमाण है। उनका शोध वैज्ञानिक उन्नति की सीमाओं को प्रेरित और आगे बढ़ाता रहता है।

हुंडई होप छात्रवृत्ति

मयंक श्रीवास्तव

राघव विजयवर्गीय

डॉ. वेंकट राम रेड्डी गनुथुला, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन और उद्यमिता स्कूल

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के मयंक श्रीवास्तव और राघव विजयवर्गीय को डॉ. वेंकट राम रेड्डी गनुथुला के मार्गदर्शन में हुंडई होप स्कॉलरशिप से सम्मानित किया गया है। इन छात्रों ने **एजेनएआई** नामक एक एआई-संचालित, रियल-टाइम मार्गदर्शन मंच पर उल्लेखनीय कार्य किया है, जो डिजिटल अपनाने के तरीके को बदलने की क्षमता रखता है। यह मंच स्मार्ट, इंटरैक्टिव ऑनबोर्डिंग, एआई-प्रथम व्यक्तिगत शिक्षण और उपयोगकर्ता की निराशा में 30% तक की कमी जैसी विशेषताएँ प्रदान करता है।

एजेनएआई व्यवसायों को संदर्भ-जागरूक और अनुकूली समर्थन देकर जटिल सॉफ़्टवेयर में उपयोगकर्ताओं के लिए सहज नेविगेशन सुनिश्चित करता है। मयंक और राघव का यह नवाचार तकनीकी दक्षता, उपयोगकर्ता अनुभव और डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे आईआईटी जोधपुर का गौरव और बढ़ा है।

साइंटिफिक रिपोर्ट्स के नए संपादकीय बोर्ड के सदस्य

डॉ. सौरभ संजय नेने

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के धातुकर्म एवं सामग्री इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सौरभ संजय नेने को संरचनात्मक सामग्री क्षेत्र में नेचर पब्लिशिंग ग्रुप की प्रतिष्ठित पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स के नए संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में चुना गया है। यह सम्मान सामग्री अनुसंधान में उनके योगदान को उजागर करता है और वैज्ञानिक उन्नति में उत्कृष्टता के लिए भा.प्रौ.सं. जोधपुर की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

प्रतिष्ठित पत्रिका फिजिक्स ऑफ लाइफ रिव्यूज़ के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

प्रोफेसर दीपांजन रॉय,
एसोसिएट प्रोफेसर

प्रोफेसर दीपांजन रॉय प्रतिष्ठित पत्रिका फिजिक्स ऑफ लाइफ रिव्यूज के नए संपादकीय बोर्ड के सदस्य होंगे। प्रोफेसर रॉय, भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्कूल ऑफ एआई एंड डेटा साइंस में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन ब्रेन साइंस एंड एप्लीकेशन में एसोसिएट प्रोफेसर हैं, जो संज्ञानात्मक और कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस, नेटवर्क न्यूरोसाइंस और न्यूरोसाइंस में एआई के क्षेत्र में विशेषज्ञता का खजाना लेकर आए हैं। प्रोफेसर रॉय कम्प्यूटेशनल और सिस्टम न्यूरोसाइंस में पीएचडी डिग्री प्राप्तकर्त्ता और असामान्य मस्तिष्क विकास, उम्र बढ़ने और संज्ञानात्मक प्रसंस्करण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उनके योगदान का इस क्षेत्र में स्थायी प्रभाव पड़ने वाला है।

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस) 2025

डॉ. प्रियंका सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग की सह - आचार्य डॉ. प्रियंका सिंह को प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस) 2025 के सदस्य के रूप में चुना गया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि विज्ञान में उनके योगदान और ज्ञान और नवाचार को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

कार्यशाला - साहित्यिक अनुवाद के नए आयामों की खोज

संस्थान में साहित्यिक अनुवाद विषय पर 27 मार्च 2025 को दोपहर 3:00 बजे व्याख्यान कक्ष परिसर के कक्ष संख्या 306 में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुश्री नूतन ने अपने अनुभव से प्राप्त ज्ञान को प्रतिभागियों के साथ साझा किया तथा अनुवाद की बारीकियों पर प्रकाश डाला। यह आयोजन न केवल भाषाई कौशल विकास का मंच बना, बल्कि सांस्कृतिक संघर्षों को सुलझाने की प्रयोगशाला भी साबित हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए संस्थान के हिंदी अधिकारी डॉ. नितिन भाटिया ने बताया कि यह आयोजन भाषा के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों के समन्वय का अनूठा उदाहरण है। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि साहित्यिक अनुवाद आज के बहुभाषी विश्व में केवल भाषा नहीं, बल्कि "सांस्कृतिक नीति" का माध्यम बन गया है।

सुश्री नूतन ने बताया कि साहित्यिक अनुवाद एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें मूल पाठ के अर्थ, भावनाओं, शैली और सौंदर्य को लक्ष्य भाषा में यथासंभव सटीक और प्रभावी ढंग से व्यक्त करना शामिल होता है। यह केवल शब्दों का अनुवाद नहीं है, अपितु यह एक सर्जनात्मक कर्म है जो दो भाषाओं और संस्कृतियों के बीच सेतु का निर्माण करता है। उन्होंने अपने व्याख्यान को तीन मूलभूत सिद्धांतों पर केंद्रित किया: (i) शब्दानुवाद बनाम भावानुवाद, (ii) सांस्कृतिक स्थानांतरण की चुनौतियाँ एवं (iii) शैलीगत निष्ठा। उन्होंने रामधारी सिंह दिनकर के काव्यकोश रश्मिरथी की प्रसिद्ध कविता "कृष्ण की चेतावनी" के अंग्रेजी अनुवाद के उदाहरणों से समझाया कि कैसे शब्दों का चयन कविता के संदर्भ पर निर्भर करता है। उन्होंने समतुल्य प्रभाव के सिद्धांत (Principle of Equivalent Effect) को परिभाषित करते हुए बताया कि अनुवादक का लक्ष्य पाठक पर वही भावनात्मक प्रभाव उत्पन्न करना होता है जो मूल रचना में निहित है। मुंशी प्रेमचंद की कहानी "पूस की रात" और उसके फ्रेंच अनुवाद के तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से उन्होंने प्रदर्शित किया कि कैसे ग्रामीण उत्तर भारत की बोलियों को फ्रेंच के क्षेत्रीय अंचलों की बोलियों में अनूदित किया गया। उनका यह कथन कि "अनुवादक को लेखक की आत्मा का साथी बनना चाहिए, नक़लची नहीं" ने प्रतिभागियों को गहराई से प्रभावित किया।

इस कार्यशाला ने सिद्ध किया कि साहित्यिक अनुवाद "भाषाओं का नहीं, मनों का संवाद" है। जैसा कि सुश्री नूतन जी ने कहा: "अनुवाद कोई सीमा-रेखा नहीं, सहअस्तित्व का सेतु है। यह कार्यशाला इस सेतु के निर्माण की प्रथम ईंट है।" इस प्रकार, यह आयोजन न केवल संस्थान की हिंदी गतिविधियों का गौरव बना, बल्कि भाषाई समन्वय की नई संभावनाओं का द्वार भी खोल गया। आशा है, यह परंपरा इसी प्रकार नित नए आयामों को छूती रहेगी।

हिन्दी कार्यशाला
दिनांक-27-03-2025

साहित्यिक अनुवाद कार्यशाला के दौरान समूह छायाचित्र

ई-सरल हिंदी वाक्य कोश

[Cold Wave] NIC Cold Wave conditions were rather moderate during the season.	**[शीत लहर] ऋतु के दौरान शीत लहर की स्थितियाँ मध्यम थीं।**
[Uniformity] Uniformity is a condition in which everything is regular.	[एकरुपता] एकरुपता एक ऐसी स्थिति है जिसमें सब कुछ नियमित होता है।
[Temperature] Liquid nitrogen boils at a very low temperature.	[तापमान] तरल नाइट्रोजेन बहुत न्यून तापमान पर उबलता है।
[Monitor] The Project site is being regularly monitored.	[अनुवेक्षण] परियोजना स्थल का अनुवेक्षण नियमित रुप से किया जा रहा है।

व्यक्तिगत रचनाएं

नारीः शक्ति और सौंदर्य की मूरत

वो त्रस्त है, वो मस्त है, कहीं पे अस्त-व्यस्त है।
समीर सी विशाल वो, कहीं पे है मशाल वो।
लक्ष्मी सा हैं रूप कहीं, कहीं पे है बवाल वो।
वो तोड़ती हर बाँध को , नदी की किसी धार सी,
कही पे जोड़ती है घर, कहीं खुली तलवार सी।
वो चीरती है आसमां, वो सेंकती है रोटियाँ,
लज्जित है उसके आगे, ये पर्वतों की चोटियाँ।
वो जोडती मकान कहीं, तोड़ती वो खान है,
कही वो देती जान तो, कहीं बचाती जान है।
कही चलाती गाड़ियाँ, कूटती वो धान है,
सूत्र सी मुश्किल कही, कही नृत्य सी आसान है।
वो सांकती है खिड़कियां, वो तोड़ती दीवार है,
कही पे दम, कही विलम्ब, कही पे बस विचार है।
कही खुली किताब सी, न मिल सके जवाब सी,
कही पे बेज़ुबान तो, कही शेर की दहाड़ सी।
वो बन के टिका गाल का , नजर से वो बचाती है,
वो बन के धागा हाथ का, उम्र को वो बढ़ाती है।
शशि सी बनके गोद में, वो बेटी बन जाती है,
सुहाग बचाने को वो, यम से भी लड जाती है।
माँ सरस्वती के ज्ञान का, अकूत वो खदान है,
है जिस भी रूप में तू नारी, तू बड़ी महान है।
जो लिख सके तुझे कही, तू वो कविता नहीं,
तू खुद ही रचनाकार है, तेरा रचयिता नहीं।
इस विश्व पटल पर तेरी ,एक खास ही पहचान है।
तुझसे ही धर्म, तुझसे ही जन्म, तू प्राणियों की जान है।

शिल्पा डांडवानी
कनिष्ठ तकनीकी सहायक

डेटा की दुनिया

डेटाबेस की दुनिया में, अद्भुत है विज्ञान,
जहां हर जानकारी का होता है सम्मान।
तालिकाओं में बिखरे, आंकड़ों का भंडार,
इन्हें जोड़कर बनता है ज्ञान का आकार।

प्राइमरी की हो कुँजी, या हो कोई फॉरेन,
क्वेरी की भाषा से मिलता है समाधान।
एसक्युएल की धारा में बहता है डेटा का संगम,
इंजीनियर की मेहनत से चलता है यह क्रम।

नॉर्मलाइजेशन का जादू, कम करे दोहराव,
डुप्लिकेट डेटा से मिले छुटकारा बेहिसाब।
इंडेक्स की रफ्तार से बढे खोज की चाल,
बिना रुकावट के चले डेटाबेस का हाल।

बैकअप की सुरक्षा में है डेटा का विश्वास ,
हर इमरजेंसी में बचाए यह हर खास।
रीस्टोर की प्रक्रिया से मिलता है आराम,
इंजीनियर का काम बनता है आसान।

क्लस्टरिंग और शार्डिंग का हो जब संगम,
डिस्ट्रिब्यूटेड सिस्टम का बढ़ता है रुझान।
स्केलेबिलिटी की गूंट में है भविष्य का आवाहन,
डेटाबेस इंजीनियर का यह सबसे बड़ा योगदान।

डेटा की इस दुनिया में सहेजें हर पल,
इंजीनियरिंग के कौशल से बदलता हर कल।
आधुनिक तकनीकों से बना यह आधार,
डेटाबेस की दुनिया में हो सबका उज्ज्वल भविष्य साकार।

हेमंत वरजानी, डेटाबेस प्रशासक
भा.प्रौ.सं. जोधपुर

एक उद्देश्य

ना दुःख हो ना खुशी,
ना इच्छा हो ना प्रतीक्षा।
अहंकार का ना बोध हो,
मोह की ना हो आस।
पिपासा हो ज्ञान की,
तृप्ति की अनुभूति हो।
करुणा हो हृदय में,
कृतज्ञता का भाव हो।
मानस पटल पर अंकित,
इन्ही गुणों का समावेश हो।
शून्य केंद्रित जीवन हो,
बस सम्पूर्णता का भावावेश हो।।

सलोनी शर्मा
वैज्ञानिक अधिकारी, सी आर डी एस आई

छोटी सी जिंदगी है

जो सपने रात को देखे है, वो आँखों में है,
जो आँखों ने देखा है , वो ही दिल में है,
जो दिल ने जाना है , वो ही राह में है ,
जो राह में मिला है , वो ही मंज़िल है ,
जो मंज़िल में मिला है , वो ही जिंदगी है।
जो जिंदगी में सीखा है, वो मेरी ही जिंदगी है,
मेरी ही जिंदगी है !
मेरी ही जिंदगी है !!
मेरी ही जिंदगी है !!!
बस यही छोटी सी मेरी जिंदगी है।

अलोक कुमार
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक

जनवरी से मार्च 2025 के दौरान संस्थान में सम्मिलित होने वाले संकाय सदस्य

क्रम संख्या	नाम	पद	विभाग / कार्यालय
1.	किरण मीना	सहायक प्रोफेसर	गणित विभाग
2.	प्रफुल्ल चन्द्र शुक्ल	सह - प्राध्यापक	जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग
3.	मनोज कुमार जेना	सहायक प्रोफेसर	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग
4.	मोनिका गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	रसायन विज्ञान विभाग
5.	रौशन कुमार होता	सहायक प्रोफेसर	यात्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
6.	दिनेश मोहन जोशी	सहायक प्रोफेसर	लिबरल आर्ट्स स्कूल
7.	कुशाग्र शरण	सहायक प्रोफेसर	प्रबंधन एवं उद्यमिता स्कूल
8.	अभिषेक शर्मा	सहायक प्रोफेसर	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
9.	लवी त्यागी	सहायक प्रोफेसर	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
10.	भास्कर कुमार काकती	सहायक प्रोफेसर	लिबरल आर्ट्स स्कूल
11.	राजित रंजन	सहायक प्रोफेसर	यात्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
12.	दीपक स्वामी	सह - प्राध्यापक	नागरिक एवं अवसंरचना अभियांत्रिकी विभाग
13.	भबानी कुमार सतपथी	प्रोफेसर	धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग
14.	दुष्यन्त कुमार	सहायक प्रोफेसर	भौतिक विज्ञान विभाग
15.	मृत्युंजय आर डोड्डामणि	सह - प्राध्यापक	यात्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
16.	सौर्यव्रत महापात्र	सहायक प्रोफेसर	लिबरल आर्ट्स स्कूल
17.	हार्दिक जैन	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

जनवरी से मार्च 2025 के दौरान संस्थान में शामिल होने वाले कर्मचारी सदस्य

क्रम संख्या	नाम	पद	विभाग / कार्यालय
1.	मानसी परिदा	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	पशु गृह
2.	सुधांशु शेखर	उद्योग संपर्क अधिकारी	कॉर्पोरेट संबंध कार्यालय
3.	अंकुर सिसोदिया	अधीक्षक	कार्यालय, संकाय मामले
4.	गौरव अग्रवाल	अधीक्षक	कार्यालय, संकाय अध्यक्ष, प्रशासन
5.	जतिंदर वर्मा	उप कुलसचिव	क्रय एवं भण्डार कार्यालय + पीएचसी
6.	रवि पांडे	उप कुलसचिव	भर्ती कार्यालय (एनएफ) + कानूनी प्रकोष्ठ

जनवरी - मार्च 2025 | अंक - 08

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर